समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

एलन मस्क का चमत्कार ! टेस्ला के ऑप्टिमस रोबोट ने बिना इंसानी मदद के सीखा कुंग फू, दुनिया हैरान

Publisher

Published on 06 Oct 2025

टेक्नोलॉजी की दुनिया में एक बार फिर एलन मस्क ने ऐसा कमाल कर दिखाया है, जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। टेस्ला का ह्यूमनॉइड रोबोट **'Optimus' (ऑप्टिमस)** अब केवल चलने, चीजें उठाने या सामान्य काम करने तक सीमित नहीं है। अब यह रोबोट इंसानों की तरह **कुंग फू** जैसी जटिल मार्शल आर्ट सीखने में भी सक्षम हो गया है — और वो भी **बिना किसी इंसानी ट्रेनिंग के।**

टेस्ला द्वारा जारी किए गए ताज़ा वीडियो में ऑप्टिमस रोबोट को एक ट्रेनर के साथ कुंग फू का फ्रेंडली मुकाबला करते हुए देखा गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, और लोग कह रहे हैं कि यह "भविष्य के योद्धाओं" की झलक है।

एलन मस्क ने इस रोबोट को लेकर कहा कि यह केवल एक मशीन नहीं, बल्कि **AI-सक्षम सेल्फ-लर्निंग सिस्टम** का नतीजा है, जो खुद से सीखने और खुद को सुधारने की क्षमता रखता है। यह रोबोट इंसानों के मूवमेंट्स को देखकर उनका विश्लेषण करता है, फिर उन्हीं मूवमेंट्स को रिप्लिकेट करना सीखता है।

कैसे सीखा ऑप्टिमस ने कुंग फू ?

टेस्ला की AI टीम ने ऑप्टिमस को एक अनोखी "**रिइन्फोर्समेटं लर्निंग मॉडल**" तकनीक पर प्रशिक्षित किया है। इसका मतलब यह है कि रोबोट को कोई इंसान मैन्युअली ट्रेन नहीं करता। बल्कि वह कैमरों और सेंसरों के जरिए इंसान की हर हरकत को समझता है, उसका डेटा रिकॉर्ड करता है और फिर उसे अपने मूवमेंट सिस्टम में ट्रांसलेट करता है।

टेस्ला के रोबोटिक्स इंजीनियर **जॉन एश्टन** के अनुसार,

> "ऑप्टिमस अब केवल प्रोग्राम्ड मशीन नहीं रहा। वह खुद सोच सकता है, सीख सकता है और अपनी गलतियों से

> सुधार कर सकता है।"

कुंग फू ट्रेनिंग के दौरान ऑप्टिमस ने पहले कुछ बुनियादी स्टांस सीखे। इसके बाद उसने किक्स और डिफेंस मूव्स को दोहराने की कोशिश की।
कुछ ही घंटों में यह रोबोट ऐसे मूवमेंट्स करने लगा जो आमतौर पर महीनों की ट्रेनिंग के बाद इंसान सीखते हैं।

AI कैसे बना ऑप्टिमस का शिक्षक

इस उपलब्धि के पीछे टेस्ला की एडवांस्ड **न्यूरल नेटवर्क सिस्टम** का योगदान है। यह सिस्टम रोबोट को हर सेकंड में हजारों फ्रेम्स का डेटा प्रोसेस करने की क्षमता देता है।
ऑप्टिमस अपने आसपास के माहौल, लोगों की हरकतों और बैलेंसिंग मूवमेंट्स को बेहद सटीक तरीके से समझ सकता है।

AI मॉडल ने उसे यह सिखाया कि कब हमला करना है, कब बचाव करना है और कब मूवमेंट धीमा रखना है ताकि एनर्जी का संतुलन बना रहे।
इससे यह स्पष्ट हो गया है कि अब रोबोट केवल ऑटोमेशन तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि **स्वयं सीखने और निर्णय लेने मे संक्षम** हो चुके हैं।

ऑप्टिमस के निर्माण के पीछे एलन मस्क की दृष्टि

एलन मस्क ने 2021 में टेस्ला ऑप्टिमस प्रोजेक्ट की घोषणा की थी। उस समय उन्होंने कहा था कि आने वाले वर्षों में यह रोबोट उन कामों को करेगा जो इंसानों के लिए कठिन, खतरनाक या दोहराव वाले हैं।
लेकिन अब ऑप्टिमस ने जो किया है, उसने उस दृष्टि को एक नया आयाम दे दिया है।

एलन मस्क ने X (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट किया:

> "ऑप्टिमस अब केवल एक सर्विस रोबोट नहीं है। यह दिखाता है कि AI के पास सीखने, अनुकूलन और खुद को बेहतर करने की असीम क्षमता है।"

उनके अनुसार, भविष्य में ऑप्टिमस फैक्ट्री, अस्पतालों, रक्षा और यहां तक कि खेल प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी उपयोगी साबित हो सकता है।

लोगों की प्रतिक्रियाएं और विशेषज्ञों की राय

जैसे ही यह वीडियो इंटरनेट पर आया, टेक समुदाय में हलचल मच गई।
कई लोगों ने इसे "भविष्य का जार्विस" कहा तो कुछ ने आशंका जताई कि इतनी उन्नत AI आने वाले समय में इंसानी नियंत्रण से बाहर जा सकती है।

AI विशेषज्ञ **डॉ. एरिका हैनसन** का कहना है —

> "यह मील का पत्थर है। एक रोबोट का खुद से मार्शल आर्ट सीखना यह दिखाता है कि मशीनें अब समझने और रचनात्मक सोचने में सक्षम हो चुकी हैं।"

हालांकि कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि इस स्तर की AI को सीमित वातावरण में रखना जरूरी है ताकि उसका उपयोग जिम्मेदारी से हो।

AI और रोबोटिक्स का नया अध्याय

ऑप्टिमस का कुंग फू सीखना केवल एक प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह भविष्य की दिशा का संकेत है।
AI के साथ फिजिकल स्किल्स को जोड़ना एक बड़ी तकनीकी छलांग है। अब यह स्पष्ट हो गया है कि आने वाले समय में ऐसे

रोबोट बनाए जा सकते हैं जो खेल, युद्ध, सुरक्षा, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन जैसे कई क्षेत्रों में काम कर सकेंगे।

यह तकनीक खासतौर पर **डिफेंस इंडस्ट्री** में क्रांति ला सकती है।
कुंग फू जैसे मार्शल आर्ट्स में सीखे मूवमेंट्स से भविष्य के रोबोट अपनी सुरक्षा क्षमता को बढ़ा सकते हैं।

टेस्ला ऑप्टिमस : केवल मशीन नहीं, सीखने वाला साथी

ऑप्टिमस की खासियत सिर्फ उसका शरीर नहीं, बल्कि उसका "ब्रेन सिस्टम" है।
टेस्ला ने इसमें **Dojo Supercomputer** की मदद से एक ऐसी AI बनाई है जो लगातार सीखती रहती है।
इससे यह रोबोट न केवल एक्शन करना सीखता है, बल्कि यह भी समझता है कि इंसान किस इरादे से कोई हरकत कर रहा है।

उदाहरण के लिए, अगर कोई व्यक्ति सामने से आकर हाथ बढ़ाता है, तो ऑप्टिमस तुरंत यह पहचान सकता है कि यह हमला नहीं बल्कि हैंडशेक का इशारा है।

एलन मस्क के ऑप्टिमस रोबोट ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल डेटा और प्रोग्रामिंग तक सीमित नहीं है।
अब यह मानव व्यवहार, सीखने की प्रक्रिया और रचनात्मक कौशल को भी आत्मसात कर सकता है।

कुंग फू सीखने की इस उपलब्धि ने न सिर्फ टेस्ला को रोबोटिक्स की शीर्ष श्रेणी में ला दिया है, बल्कि दुनिया को यह भी दिखा दिया है कि भविष्य अब केवल साइंस फिक्शन नहीं, बल्कि **रियल-टाइम इनोवेशन** है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.